Part – 1

प्रश्न 22. महाकवि विधापति रचित " नटराज " शीर्शक के भावार्थ लिखू ।

उतर - *मैथिली साहित्यक ई विशाल प्रसाद जँ कोनो एकटा स्तम्भ ठाढ अछि तँ ओ निस्नसंदेह विधापति थिकाह । मैथिली साहित्यक एहि विषाल वटवृक्षक जे सीर सभँस गहीर धरी गेल अछि , तकर नाम विधापति थिक । ज विधापतिरूपी सूर्यक आविर्भाव मैथिली काव्य - गगन मे नहि भेल रहैत तँ रत्रिक व्याप्ति आर कतैक सय वर्ष भ जाइत ,*

विधापतिक जन्मक प्रसंग अनेक विद्वानक विभिन्न मत अछि ।

मुदा इ तय भ गेल अछि जे हिनक जन्म विस्फी ग्राम मे चौदहम शताबदी मे भेल छलननि । मृत्युक प्रसंग सुप्रसिध्द पद अछि । विधापतिक आयु अवसान कातिक धवल यत्रोदशि जान । एहि अधार पर विधापति स्मृति पर्वक आयोजन कएल जाइत अछि ।

विधापति संस्कृतक विद्वान छलाह । किंतु हिनका अवहट्ट आ दोसिल वयना अर्थात मैथिली पर सेहो पुरा अधिकार चालनि गौरी कहैत छथिन जे आइ हम एकटा व्रत केने छी । जे हमरा महासुखक आननंद भ सकैत अछि । अहा आइ नटुआक रूप धारण क डमरू बजाय हमारा नाच देखाउ।